



Saksham Sharma



Bhawna Sharma

Model: Love-Horoscope

Order No: 121639901

Model: Love-Horoscope

Order No: 121639901

Date: 19/03/2026

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
18/05/1995 : _____ जन्म तिथि _____ : 1-02/03/2000
गुरुवार : _____ दिन _____ : बुध-गुरुवार
घंटे 14:10:00 : _____ जन्म समय _____ : 05:25:00 घंटे
घटी 21:44:07 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 56:38:40 घटी
India : _____ देश _____ : India
Ghaziabad : _____ स्थान _____ : Fazilka
28:40:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 30:26:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 74:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:33:44 घंटे
घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
05:28:21 : _____ सूर्योदय _____ : 07:00:09
19:04:46 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:32:22
23:47:42 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:51:20
कन्या : _____ लग्न _____ : मकर
बुध : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शनि
धनु : _____ राशि _____ : धनु
गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : गुरु
पूर्वाषाढा : _____ नक्षत्र _____ : उत्तराषाढा
शुक्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : सूर्य
3 : _____ चरण _____ : 1
शुभ : _____ योग _____ : वरियान
कौलव : _____ करण _____ : बालव
फा-फारुख : _____ जन्म नामाक्षर _____ : भे-भैरवी
वृष : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मीन
क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : क्षत्रिय
मानव : _____ वश्य _____ : मानव
वानर : _____ योनि _____ : नकुल
मनुष्य : _____ गण _____ : मनुष्य
मध्य : _____ नाडी _____ : अन्त्य
मूषक : _____ वर्ग _____ : मूषक

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

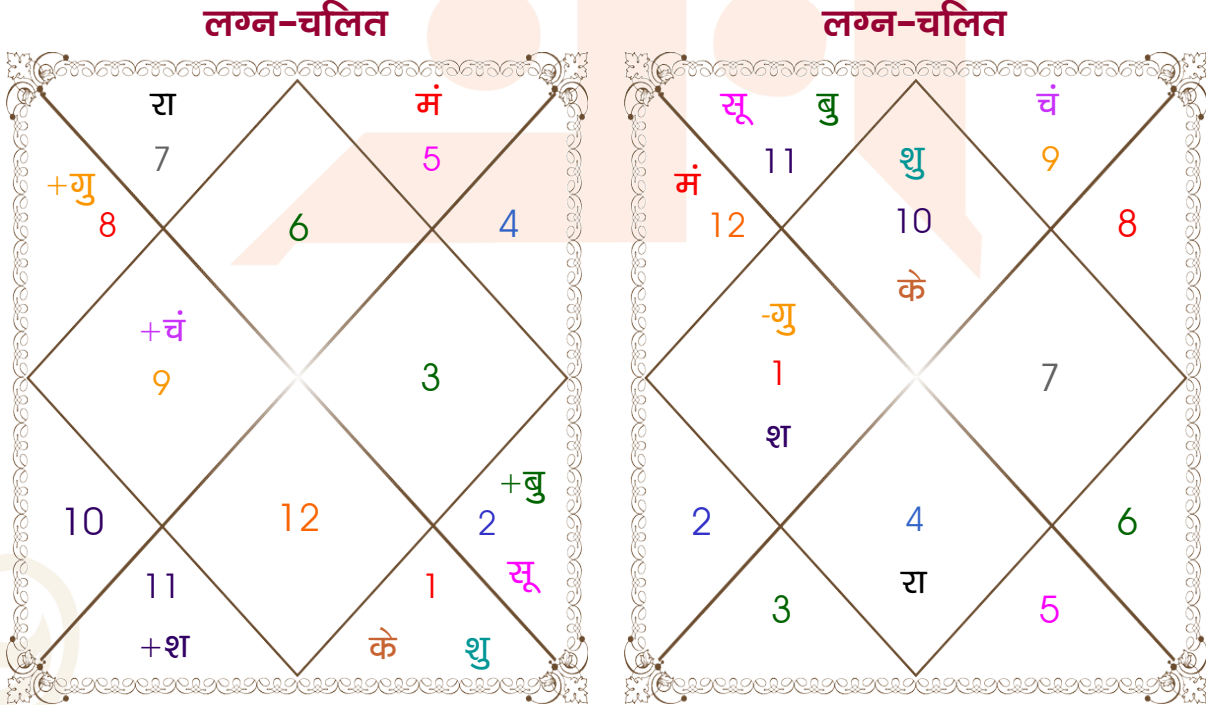
vijayvastu39@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---------------------|----------|----------|--------|--------|----------|----------------------|
| शुक्र 6वर्ष 6मा 3दि | 00:02:25 | कन्या | लग्न | मक | 15:41:43 | सूर्य 4वर्ष 8मा 26दि |
| राहु | 03:09:40 | वृष | सूर्य | कुंभ | 17:51:09 | राहु |
| 20/11/2024 | 22:19:35 | धनु | चंद्र | धनु | 29:28:09 | 27/11/2021 |
| 20/11/2042 | 03:00:35 | सिंह | मंगल | मीन | 20:29:26 | 27/11/2039 |
| राहु 03/08/2027 | 23:07:27 | वृष | बुध व | कुंभ | 17:06:20 | राहु 09/08/2024 |
| गुरु 26/12/2029 | 18:28:30 | वृश्चि व | गुरु | मेष | 09:00:23 | गुरु 03/01/2027 |
| शनि 01/11/2032 | 07:53:13 | मेष | शुक्र | मक | 21:57:00 | शनि 09/11/2029 |
| बुध 22/05/2035 | 29:02:01 | कुंभ | शनि | मेष | 18:38:01 | बुध 28/05/2032 |
| केतु 08/06/2036 | 11:39:52 | तुला व | राहु | कर्क | 09:22:50 | केतु 16/06/2033 |
| शुक्र 09/06/2039 | 11:39:52 | मेष व | केतु | मक | 09:22:50 | शुक्र 15/06/2036 |
| सूर्य 03/05/2040 | 06:36:35 | मक व | हर्ष | मक | 24:20:58 | सूर्य 10/05/2037 |
| चन्द्र 02/11/2041 | 01:38:40 | मक व | नेप | मक | 11:32:35 | चन्द्र 09/11/2038 |
| मंगल 20/11/2042 | 05:29:54 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 18:59:40 | मंगल 27/11/2039 |

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:42 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:20



Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

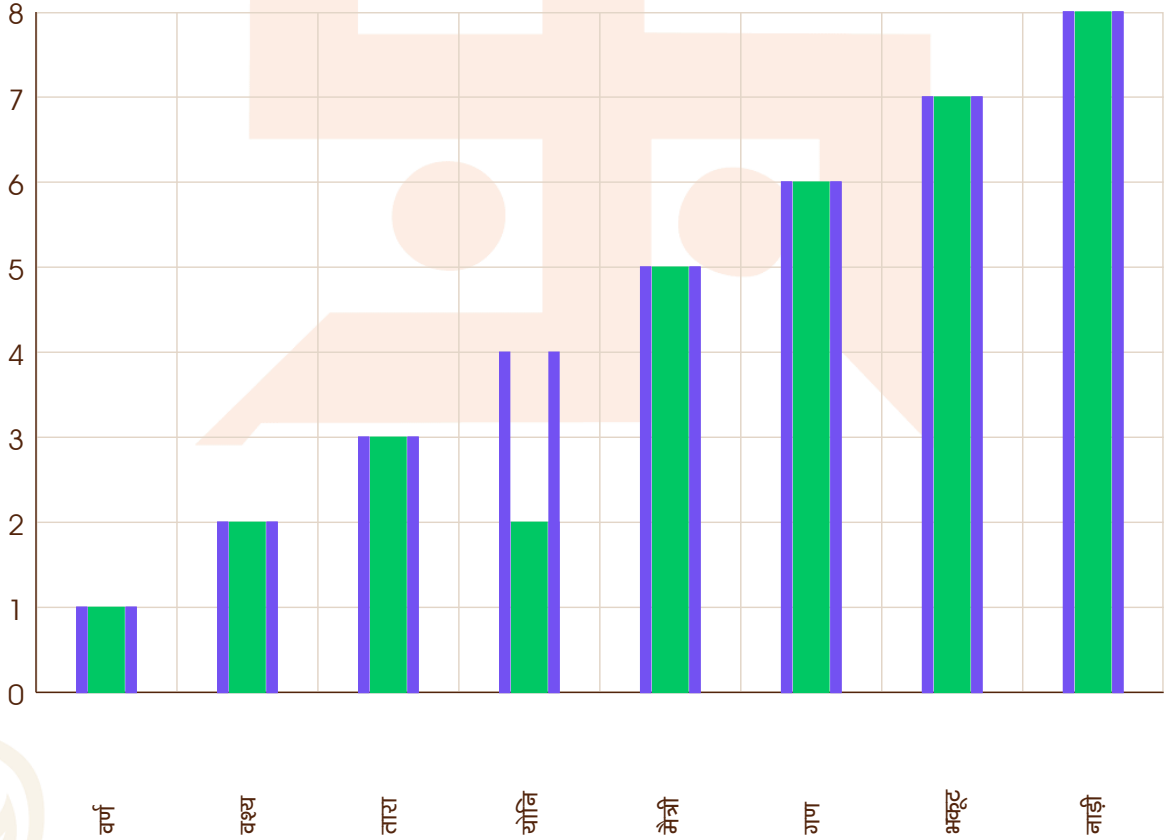
9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|--------------|----------|----------|-----------|--------------|-----|-----------------|
| वर्ण | क्षत्रिय | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | चतुष्पाद | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | अतिमित्र | सम्पत | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | वानर | नकुल | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | गुरु | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | धनु | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 34.00 | | |

कुल : 34 / 36



Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ऋषीतं एवं ऋषीतं दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ऋषीतं एवं ऋषीतं दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

ऋषीतं का गण मनुष्य तथा ऋषीतं का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

ऋषीतं एवं ऋषीतं दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान ऋषीतं एवं ऋषीतं तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

ऋषीतं की नाड़ी मध्य है तथा ऋषीतं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण ऋषीतं एवं ऋषीतं के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

मीन राशि और मीन राशि की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त धनु राशि है। अतः इसके प्रभाव से मीन राशि और मीन राशि के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी तथा परस्पर संबंधों में भी प्रगाढ़ता रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

मीन राशि और मीन राशि की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति हार्दिक प्रेम, सहानुभूति तथा समर्पण का भाव विद्यमान रहेगा एवं सुख दुःख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करेंगे। ऐसा करने से मीन राशि और मीन राशि का वैवाहिक जीवन सुख एवं शांति पूर्ण व्यतीत होगा तथा मधुर स्मृतियों तथा क्षणों की हृदय से आनंद उठाएंगे।

मीन राशि और मीन राशि की राशियां परस्पर प्रथम प्रथम - भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से मीन राशि और मीन राशि भाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा जीवन में इच्छित सुख-ऐश्वर्य एवं संसाधनों से युक्त होकर उनका उपभोग करेंगे। उनकी परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति भी होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व एवं स्वतंत्रता का हार्दिक सम्मान करेंगे जिससे मीन राशि और मीन राशि का दाम्पत्य जीवन अत्यंत ही शुभ रहेगा तथा शांति पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

मीन राशि और मीन राशि दोनों का वश्य चतुष्पद है। अतः इनकी अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक संबंधों में भी समता रहेगी फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे जिससे आंतरिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी।

मीन राशि एवं मीन राशि दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों की कार्य क्षमता बराबर होगी तथा साहसिक एवं पराकमी कार्यों को करने में दोनों रुचिशील रहेंगे अतः कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

मीन राशि की तारा अतिमित्र तथा मीन राशि की तारा सम्पत है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट का प्रभाव भी सम होगा तथा कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा। लेकिन मंगल का अशुभ प्रभाव मीन राशि की आर्थिक स्थिति पर रहेगा परन्तु कुल स्थिति पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा मीन राशि और मीन राशि समृद्धि से युक्त होकर जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

वीदूतं भाग्यशाली तथा धनाढ्य होंगी तथा वीतं के शुभ प्रभाव से अपने धन एवं वैभव की अभिवृद्धि करने में समर्थ होंगी लेकिन मंगल के प्रभाव से वीतं यदा कदा मुक्त हाथों से व्यय करेंगे। अतः वीतं को अपनी ऐसी प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखना चाहिए।

स्वास्थ्य

वीतं मध्य नाड़ी तथा वीदूतं अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु वीदूतं के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित्त संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। वीदूतं सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए वीदूतं को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से वीतं और वीदूतं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त वीतं और वीदूतं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में वीदूतं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन वीदूतं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में वीदूतं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से वीतं और वीदूतं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार वीतं और वीदूतं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

वीदूतं के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि ठीक तं धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से ठीक तं के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी ठीक तं का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी ठीक तं से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

ठीक तं तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ ठीक तं के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह ठीक तं को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ठीक तं के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण ठीक तं के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

लग्न फल

Saksham Sharma

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोत्तम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते हैं कि आपकी छोटी से महत्वाकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरुत्साहित नहीं है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरुष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता है। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृत्ति के अंकार से युक्त पुरुष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरुद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृत्ति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

Bhawna Sharma

आपके जन्मकालिक आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के द्वितीय चरण में मकर लग्न में वृषभ राशि के नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसी संभावनाओं का सृजन हो रहा है कि आपका जीवन धन प्रसन्नता से युक्त फलदायी एवं प्रसन्नतम होगा। आप इन बातों में विश्वास रखती हो कि किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता में सफल होने के लिए धीमी गति क्यों न हो। नियमित एवं लगनशीलता से युक्त हो, तो मनुष्य अवश्य सफल होता है। आप अपनी साहसिक प्रवृत्ति के प्रति आशान्वित रह सकती हो। अतएव आप शेष कार्यों के बाद योजनानुरूप लक्ष्य तक पहुंचने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करती हो।

यदि आप ऐड़ी से चोटी तक पहुंचने के लिए उपयुक्त पथ पर चल रही हो, तो आप सर्वथा नाम, प्रसिद्धि एवं अतिरिक्त धन उपार्जित कर सकती हो। यदि आप गायन कला, गणित एवं ज्योतिष कला के प्रति रुचिवान बन कर सीखने के प्रति स्नेहशील रही तो आप प्रसिद्ध महिला बन कर किसी भी प्रकार की समस्याओं से निवृत्ति की राय दे सकती हो तथा समस्याओं का अन्वेषण करने की जमानत ले सकती हो। आपकी यह भी भूमिका रहती है कि आप अपनी इच्छानुसार उनके सहयोग के लिए अपने अतिरिक्त समय का उपयोग कर सकती है। आप सामाजिक कार्य में अपना बहुमूल्य समय का सदुपयोग करोगी। आप धीमी गति से अपने द्वारा संचालित सामाजिक कार्य में सफल हो सकती हो।

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

आपके जीवन का स्वर्णिम काल आपकी आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के अंतराल में प्रमाणित होगा जब आपकी स्थिति अच्छी, व्यवसाय हेतु उत्तम एवं भरपूर लाभ हेतु सौभाग्यशाली समय होगा।

आप अपनी प्रतिभा के अनुरूप व्यवसाय का चयन कर लाभ प्राप्ति हेतु प्रस्तुत होंगी। अतएव आपके लिए सम्मतियुक्त विचारणीय यह है कि अपनी इच्छा के अनुरूप विस्तृताकार उपव्यवसाय यथा कृषि कार्य, खनिज, कोयला, खनन कार्य, पेट्रोल, तेल का (डीलरशीप) वितरण कार्य। रेफ्रिजरेटर एवं कूलर का कार्यादि कर सकती हैं।

आपका घरेलू जीवन फलता फूलता हुआ दृष्टिगत होगा। आपके पति सुंदर एवं कठिन श्रम करने वाले तथा आपके बच्चे आपको अंगीकृत करने वाले होंगे। आपका घर शांत एवं सुखद वातावरण से युक्त होगा।

आप अपने पारिवारिक सदस्यों के लिए अंतर्मुखी होंगी तथा स्पष्ट रूप से अपने परिवार के समक्ष आपकी प्रवृत्ति स्नेहपूर्ण रहेगा। तथापि वे आपके समक्ष किसी प्रकार की गलती नहीं करेंगे। बल्कि वे विशुद्ध आत्मा से आपका सहयोग करेंगे।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य एकरूपता लिए हुआ अच्छा रहेगा। परंतु कुछ वर्षों के पश्चात् कतिपय रोगादि से आप प्रभावित हो सकते हैं, यथा अपाचन क्रिया, कफ, सर्दी, जुकाम एवं चर्म रोगादि खुजली, खाज, बेचैनी आदि रोग। इसके विरुद्ध आपको अच्छी प्रकार अपने घरेलू चिकित्सक से समय-समय पर विमर्श करना चाहिए। आप सर्वथा कुछ छोटे-छोटे शारीरिक दुर्घटना के प्रति सतर्क रहेंगी। इसलिए सावधानी पूर्वक चलना फिरना चढ़ना, उतरना अथवा सीढ़ी (जीने) पर चढ़ना-उतरना तथा ऊँची स्थान से छलांग लगाने की प्रवृत्ति को बहिष्कृत करना होगा।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग भली प्रकार आपके अनुरूप है। परंतु आपके लिए रंग पीला एवं क्रीम रंग अव्यवहारणीय है।

आपके लिए वास्तविक रूप से अनुकूल अंक 6, 8 एवं 9 अंक भाग्यशाली है। परंतु अंक 3 आपके लिए निश्चित रूप से परेशानी उत्पन्न कराने वाला है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार का दिन महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु सर्वथा अनुकूल है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं हानिकारक है। अतएव इन दिनों का त्याग करें।

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

अंक ज्योतिष फल

Saksham Sharma

आपका जन्म दिनांक 18 है। एक एवं आठ के योग से आपका मूलांक 9 बनता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। एक का सूर्य तथा आठ का शनि। इन तीनों ही ग्रहों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके जीवन में आयेगा। मूलांक नौ के प्रभाव से आप एक साहसी व्यक्ति रहेंगे तथा साहस भरे कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। जब कभी आप दुःसाहसी होंगे तब आपको हानि उठानी पड़ेगी।

आप अनुशासन पसन्द करेंगे। कार्यक्षेत्र में अपना एकाधिकार या प्रभुत्व चाहेंगे तथा ऐसे कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी जहाँ आप स्वतंत्र रूप से मुखिया की भूमिका निभायेंगे। आपके स्वभाव में फुर्तीलापन एवं जल्दवाजी होगी। आप चाहेंगे कि हर कार्य शीघ्र एवं फुर्ती से हो। इसमें व्यवधान आने पर आपका क्रोध बढ़ेगा क्योंकि रुकावटों को आप बर्दाश्त नहीं कर पायेंगे।

एक अंक का स्वामी सूर्य एवं आठ अंक का स्वामी शनि होने से हर सफलता के मध्य अवरोध, रुकावटें आयेंगी। जिनसे आपकी तेज बढ़ती उन्नति में ब्रेक लगेगा तथा आपकी महत्वाकांक्षा देर से पूरी होगी। इससे कई योजनायें शुरू होने के बाद रुक जायेंगी या धीमी गति को प्राप्त करेंगी। जिसमें आपका तन-मन-धन तीनों का व्यय होगा। आपको खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से हानि मिलेगी। अतः ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहें जो आपकी अत्यधिक चापलूसी करें।

मंगल का मूलांक होने से आपको अपने जीवन में काफी संघर्ष करना पड़ेगा एवं जो भी सफलता मिलेगी वह कड़ी मेहनत, भाग-दौड़ के बाद ही प्राप्त होगी। मंगल, सूर्य, शनि के संयुक्त प्रभाववश आपका जीवन विध्वन-बाधाओं, कठिनाईयों, आलोचनाओं को पार कर स्वयं की मेहनत एवं लगन द्वारा उच्चता के शिखर पर पहुँचेगा।

Bhawna Sharma

आपका जन्म दिनांक दो होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक दो होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। जिसके प्रभाववश आप एक कल्पनाशील, कलाप्रिय एवं स्नेहशील स्वभाव की महिला होंगी। आपकी कल्पनाशक्ति उच्च कोटि की रहेगी, लेकिन शारीरिक शक्ति आपकी बहुत अच्छी नहीं रहेगी। आपका बुद्धि चातुर्य काफी अच्छा होगा एवं बुद्धि विवेक के कार्यों में आप दूसरों से बाजी मार ले जायेंगी। जिस प्रकार से आपके मूलांक स्वामी चन्द्रमा का रूप एकसा नहीं रहता समयानुसार घटता-बढ़ता रहता है, उसी तरह आप भी अपने जीवन में एक विचार या योजना पर दृढ़ नहीं रहेंगी।

आपकी योजनाओं में बदलाव होता रहेगा एवं एक योजना को छोड़कर दूसरी को प्रारम्भ करने की प्रवृत्ति आपके अन्दर पाई जायेगी। धीरज एवं अध्यवसाय की आप में कमी

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

रहेगी। इससे आपके कई कार्य समय पर पूर्ण नहीं होंगे। आत्म विश्वास की मात्रा आप के अन्दर कम रहेगी एवं स्वयं अपने ऊपर पूर्ण भरोसा नहीं रख पायेंगी, जिससे कभी-कभी आपको निराशा का सामना करना पड़ेगा।

आपकी सामाजिक स्थिति उत्तम दर्जे की रहेगी एवं मानसिक रूप से जिसे आप अपना लेंगी वैसे ही लाभ आपको प्राप्त होंगे। जनता के मध्य आप एक लोकप्रिय महिला होंगी तथा स्वयं की मेहनत से अपनी सामाजिक स्थिति निर्मित करेंगी। आपको अवस्थानुसार नेत्र, उदर, एवं मूत्र संबंधी रोगों का सामना करना पड़ेगा, मानसिक तनाव तथा शीतरोग भी परेशान करेंगे। जल से उत्पन्न रोग कफ, सर्दी-जुकाम, सिरदर्द की शिकायतें भी यदाकदा होंगी।

Saksham Sharma

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किशम की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगे। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगे। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्ति वश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।

Bhawna Sharma

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी-कठिनाई से होता है, अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकती हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचिपूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगी। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com